Unstarred Question 233 given in the Rajya Sabha on the 1st August, 1995 and state:

(a) whether there is any scheme under Government's -consideration to have a joint venture or involve private sector in elimination of transmission and distribution of losses completely; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Coal Supply to Ramagundam Power Project

1176. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the allotment of coal to Ramagundam Power Project has been reduced; and

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) and (b) No, Sir. The coal supply to Ramagundam STPS has been increased from 740,000 tonnes per month in the quarter October-December, 1995 to 900,000 tonnes per month for the quarter January—March, 1996.

Customs Clearance for Export of Herbal Health/Nutritional Supplements

1177. SHRI G. SWAMINATHAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Herbal Health/Nutritional Supplements are permitted to be exported to foreign countries on the basis of specific orders from overseas parties; and

(b) if so, what are the special formalities, if any, that are to be observed by Exporters tor Customs. Clearance?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) and (b) The Herbal Health/Nutritional supplements are permitted to be exported subject to exporters producing no objection certificate from the Assistant Drug Controller, designated under the Drugs and Cosmetics Act, before export is actually allowed.

विश्व बैंक से निधियां

1178. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या सरकार ने आधारभूत ढांचे के लिए विश्व बैंक से और अधिक निधियां मांगी हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या हैं;

(ग) इस संबंध में वित्त सचिव के नेतृत्व में भारतीय शिष्टमंडल की क्या उपलब्धियां रही हैं; और

(घ) वर्ष 1995-96 के लिए भारत को ऋण देने की संबंध में विश्व बैंक के कार्यक्रम का ब्यौरा क्या हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य (डा. देवी प्रसाद पाल) : (क) से (घ) देश की सहायता संबंधी आवश्यकताओं पर बातचीज करने के लिए 29 और 30 जून, 1995 को पेरिस में भारत विकास मंच की बैठक हुई। 29 जून, 1995 को द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दाता देशों की बैठक हुई जिसमें वर्ष 1995-96 के लिए भारत विकास के साझेदारों ने 6.9 बिलियन डालर जिसमें विश्व बैंक द्वारा राजकीय विकास सहायता के रूप में 2.8 बिलियन डालर भी शामिल हैं की वचनबद्वता की। बैठक का दूसरा दिन संभावित निवेशकों के साथ इस वर्ष के विषय "आधारभूत संरचना में प्राइवेट क्षेत्र का निवेश – एक समर्थ वातावरण" पर परस्पर बातचीज हुई समर्पित था। इस बैठक में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में प्राइवेट क्षेत्र के प्रवेश को सुसाध्य बनाने के लिए हाल ही में प्रारंभ की गई पहलों के विस्तार हेतु सरकार के लिए एक मंच प्रदान किया गया। इस विचार-विमर्श में सरकार को आधारभूत संरचना के विकास में भाग लेने के लिए प्राईवेट क्षेत्र के लिए अपेक्षित वातावरण तैयार करने हेतु हाल ही में नीतियों में किए गए बदलाव कहां तक सफल हुए हैं, पर संभावित निवेशकों के सापेक्ष महत्व को जानने के लिए एक विशेष अवसर